A

CCE RF
CCE RR
REVISED

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESWARAM, BANGALORE – 560 003

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಮಾರ್ಚ್ / ಏಪ್ರಿಲ್, 2020

S. S. L. C. EXAMINATION, MARCH / APRIL, 2020

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 27. 03. 2020] — ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Date : 27. 03. 2020] — CODE NO. : **06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಹೊಸ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ / New Syllabus)

(ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ & ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / Regular Fresh & Regular Repeater)

[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 100

[Max. Marks : 100

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
I.	**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।**	6 × 1 = 6
1.	'सकारात्मक' शब्द का विलोम रूप है –	
	(A) सार्थकता (B) नकारात्मक	
	(C) सत्कार्य (D) रचनात्मक ।	
	उत्तर : (B) नकारात्मक	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
2.	'विधवा' शब्द का अन्य लिंग रूप है — (A) विधुर (B) विदुषी (C) विधायक (D) विद्वान । **उत्तर :** (A) विधुर	1
3.	'सीना' शब्द का प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है — (A) सोना (B) सिलाना (C) सिखाना (D) सुलाना । **उत्तर :** (B) सिलाना	1
4.	'उचित' का भाववाचक संज्ञा रूप है — (A) अनुचित (B) उच्च (C) औचित्य (D) उच्चतम । **उत्तर :** (C) औचित्य	1
5.	'आग से खेलना' मुहावरे का अर्थ है — (A) हाथ-बँटाना (B) आग लगाना (C) कष्ट सहना (D) खतरा मोल लेना । **उत्तर :** (D) खतरा मोल लेना	1
6.	निम्नलिखित में से प्रत्यय युक्त शब्द है — (A) गरमाहट (B) अनुरूप (C) बेईमान (D) अगोचर । **उत्तर :** (A) गरमाहट ।	1
II.	**अनुरूपता के उत्तर ।**	4 × 1 = 4
7.	उद्घाटन : व्यंजन संधि :: परमात्मा : .... । **उत्तर :** दीर्घ संधि	1
8.	त्रिपुण्ड : द्विगु समास :: दिन-रात : .... । **उत्तर :** द्वन्द्व समास	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
9.	जो अभिनय करती है : अभिनेत्री :: जो विदेश में रहता है : .... ।	
	उत्तर : विदेशी	1
10.	राजा ने तावीज़ परखा : कर्तृवाच्य :: राजा से तावीज़ परखा गया : .... ।	
	उत्तर : कर्मवाच्य	1
III.	**एक-एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।**	7 × 1 = 7
11.	लाला झाऊलाल का जी क्यों सनसनाया ?	
	उत्तर :	
	लाला झाऊलाल की पत्नी ने एक दिन यकायक ढाई-सौ रुपये की माँग पेश की तब उनका जी सनसनाया ।	1
12.	चंदेल राजाओं के राजकवि कौन थे ?	
	उत्तर :	
	चंदेल राजाओं के राजकवि जगनिक थे ।	1
13.	रूसी युवतियाँ कैसी दिखाई दे रही थीं ?	
	उत्तर :	
	रूसी युवतियाँ सिर पर सफ़ेद कपड़ा बांधे, गाउन पहने घर के कामकाज करती दिखाई दे रही थीं ।	1
14.	मैना दंपति नाच-गान क्यों करते थे ?	
	उत्तर :	
	कोई कागज, तिनका या गोबर का टुकड़ा लेकर पति के उपस्थित होते ही मैना दंपत्ति नाच-गान करते थे ।	1
15.	कवि इकबाल के अनुसार हमारा संतरी कौन है ?	
	उत्तर :	
	कवि इकबाल ने अनुसार हमारा संतरी हिमालय है ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
16.	कबीर के अनुसार साधु को कैसा होना चाहिए ?	
	उत्तर :	
	साधु को सूप के समान होना चाहिए ।	1
17.	ज्योतिषी ने नेपोलियन से क्या कहा ?	
	उत्तर :	
	ज्योतिषी ने नेपोलियन से कहा कि उनके हाथ में तो भाग्य की रेखा ही नहीं है ।	1
IV.	**दो-तीन वाक्यों में उत्तर ।**	10 × 2 = 20
18.	लोटे का नाम 'अकबरी लोटा' कैसे पड़ा ?	
	उत्तर :	
	सोलहवीं शताब्दी में शेरशाह से हारकर बादशाह हुमायूँ रेगिस्तान में प्यासे फिर रहे थे । उस समय एक ब्राह्मण ने उन्हें एक लोटे से पानी पिलाकर उनकी जान बचाई थी । हुमायू के बाद अकबर ने इस लोटे को बड़े प्यार से रखा था । इसी कारण लोटे का नाम "अकबरी लोटा" पड़ा ।	2
19.	बिदेसिया लोकगीत में निहित विषय कौन से हैं ?	
	उत्तर :	
	भोजपुरी में करीब तीस-चालीस बरसों से बिदेशिया का प्रचार हुआ है । इन गीतों में अधिकतर रसिक प्रियों और प्रियाओं की बात रहती है । परदेशी प्रेमी की और इनसे करूणा और विरह का रस बरसता है ।	2
20.	समा बँध जाने का वर्णन लेखक कैसे करते हैं ?	
	उत्तर :	
	रात को घर में बैठक जमी । बोरिस की भानजी ने गीत सुनाया । अत्यंत मधुर कंठ, मोहक सौंदर्य और देश के लोक-संगीत की मिठास के कारण हमारे संगीत से अभेद प्रतीत हुआ । अनुरोध करने पर उसने एक गीत और सुनाया । धीरे-धीरे हम लोग भी ताली देने लगे, समा बँध गया ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
21.	''मूक प्राणी भी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते'' । पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** मूक प्राणी भी संवेदनशील होते हैं, उन्हें भी स्नेह की अनुभूति होती है : ♦ जब कुत्ता रवीन्द्र जी के स्पर्श को आँखें बंद करके अनुभव करता है, तब ऐसा लगता है मानो उसके अतृप्त मन को तृप्ति मिल गई है । ♦ रवीन्द्र जी की मृत्यु पर उनके चिता भस्म के कलश के सामने वह चुपचाप गंभीर भाव से बैठा और उत्तरायण तक गया । (कोई एक प्रसंग)	2
22.	कबीर के अनुसार भगवान का निवास स्थान कहाँ होता है ? **उत्तर :** कबोर के अनुसार जिस प्रकार तिल में तेल होता है और चकमक पत्थर में आग होती है, उसी प्रकार हर एक के हृदय (शरीर) में भगवान निवास करता है ।	2
23.	जग का नवनिर्माण किस प्रकार करें ? **उत्तर :** कवि बालकृष्ण 'नवीन' दिल में उमगें भरकर, नई तरंगें उछालकर, नूतन प्राण भरते हुए हर तरफ फैले सड़न के कीटाणुओं को मिटाकर, नए भेषज का निर्माण कर, जग के नवनिमाण करने की बात कहते ह ।	2
24.	स्काउट और गाइड के प्रमुख नियम क्या हैं ? **उत्तर :** स्काउट और गाइड के कुछ प्रमुख नियम हैं - विश्वसनीयता, वफादारी, मित्रता, अनुशासनप्रियता, साहस, कर्मठ भावना, सच्ची देशभक्ति, सजगता व दयाभाव । (कोई चार नियम)	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
25.	''परिश्रम सफलता की कुँजी है'' – स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** आलस्य और भाग्यवादिता छुड़ाकर कठिन परिश्रम ही सफलता का एक मात्र मार्ग है । मानव का इतिहास साक्षी है कि अपने पुरुषार्थ पर भरोसा रखनेवाले लोग ही रेगिस्तानों में झील बना सके हैं । धरती की छाती चीरकर मनोवांछित फल प्राप्त कर सकते हैं ।	2
26.	संत का नाम 'रविदास' क्यों रखा गया ? **उत्तर :** संत कवि रैदास का जन्म काशी के पास गाँव में माघ पूर्णिया के दिन हुआ था । कहा जाता है कि उस दिन रविवार था । इसलिए नवजात शिशु का नाम 'रविदास' रखा गया ।	2
27.	''जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं'' – हेलेन केलर को ऐसा क्यों लगता था ? **उत्तर :** जिन लोगों के पास आँखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं, हेलेन केलर ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि जो लोग किसी चीज को निरंतर देखने के आदी हो जाते हैं वे उनकी तरफ अधिक ध्यान नहीं देते । उनके मन में उस वस्तु के प्रति कोई जिज्ञासा नहीं रहती । ईश्वर की दी हुई देन का वह लाभ नहीं उठा सकते ।	2
V.	**लेखक / कवि का परिचय ।**	$2 \times 3 = 6$
28.	जैनेन्द्र । **उत्तर :** i) जन्म-काल - 2 जनवरी, 1905, अलीगढ़ के कौड़िया गंज गाँव में हुआ । ii) कृतियाँ-परख, सुनीता, त्यागपत्र, कल्याणी, विवर्त, सुखदा, व्यतीत, जयवर्धन फाँसी दो चिड़ियाँ, पाजेब, जयसंधि, जड़ की बात आदि । iii) इनका बचपन का नाम आनदीलाल था । इनकी उच्च शिक्षा काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में हुई । 24 दिसम्बर, 1988 को इनका निधन हुआ ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
29.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना । **उत्तर :** i) जन्म-काल – 15 सितम्बर, 1927 को उत्तर प्रदेश के बस्ती शहर के पास पिकौरा गाँव में हुआ । ii) कृतियाँ – काठ की घंटियाँ, खूँडियों पर टँगे लोग, सोया हुआ जल, बकरी, अंधेरे पर अँधेरा आदि । iii) अन्य जानकारियाँ – इनके पिता का नाम श्री विश्वेश्वरदयाल सिंह सक्सेना और माता का नाम श्रीमती सौभाग्यवती सक्सेना था । इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ है । ये दिनमान, पराग पत्रिकाओं के संपादक भी थे । इनकी मत्यु सन् 1983 में हुई ।	3
VI.	**छन्द पहचानिए ।**	3
30.	सूरज फिर से है मुस्काया । कोयलिया ने गान सुनाया ।। आम नीम जामुन बौराए भँवरे रस पीने को आए ।। **उत्तर :** ऽ।। ।। ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ सूरज फिर से है मुस्काया -16 ऽ ।। ऽ ऽ ऽ। ।ऽ ऽ कोयलिया ने गान सुनाया -16 ऽ । ऽ। ऽ ।। ऽऽऽ आम नीम जामुन बौराए -16 ।।ऽ ।। ऽऽ ऽ ऽऽ भँवरे रस पीने को आए -16 i) इसमें चौपाई छन्द है । ii) यह मात्रिक छन्द के अन्तर्गत आता है । iii) यहाँ चारों चरणों में 16 मात्राएँ होती हैं । iv) पहले और दूसरे व तीसरे और चौथे चरणों में तुक होती हैं ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VII.	**अलंकार पहचानिए ।**	3
31.	तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाएँ ।	
	उत्तर :	
	(i) यहाँ अनुप्रास अलंकार है ।	
	(ii) यह शब्दालंकार का उदाहरण है ।	3
	(iii) 'त' वर्ण की यहाँ पाँच बार आवृत्ति हुई है ।	
	(iv) वर्ण के इस आवृत्ति के कारण यहाँ अनुप्रास है ।	
VIII.	**संदर्भ के साथ व्याख्या ।**	4 × 3 = 12
32.	''मनुष्य मेरा गुलाम है । मैं उसे हज़ार नाच नचा सकता हूँ ।''	
	उत्तर :	
	पाठ : रुपया बोलता है ।	
	लेखक : पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'	
	संदर्भ व व्याख्या : रुपये के बल, स्वप्रतिष्ठा, विशालता और विराटता को दर्शाते हुए उग्रजी उपर्युक्त वाक्य कहते हैं । आज मनुष्य पैसों का गुलाम बना है । पैसा आज मनुष्य को अपने इशारों पर नचाता है । उग्र जी यहाँ रुपये के इस बीभत्स रूप को भी दर्शाते है ।	3
33.	''जब कष्ट हो रहा था, तो आप रुके क्यों नहीं ?''	
	उत्तर :	
	पाठ : आनंद के क्षण	
	लेखक : कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'	
	संदर्भ व व्याख्या : रवीन्द्रनाथ ठाकुर जी के भाषण के बाद एक स्रोता न गुरूदेव से उपर्युक्त वाक्य पूछा, गुरूदेव की चप्पल की उखड़ी कील के चुभने से उनके पैरों से खून रिसता रहा, मगर गुरूदेव भाषण में लीन रहे । भाषण के पश्चात लोगों में से एक व्यक्ति ने गुरुदेव से उपर्युक्त प्रश्न पूछा ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
34.	''जब हुजूर को नहीं दीखा तो हमें कैसे दीख सकता है ।'' **उत्तर :** पाठ : सदाचार का तावीज़ लेखक : हरिशंकर परसाई संदर्भ व व्याख्या : भ्रष्टाचार पर विचार करते समय दरबारियों ने राजा से उपर्युक्त वाक्य कहा । सर्वत्र व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण प्रजा हल्ला मचा रही थी, तो राजा अपने दरबारियों से भ्रष्टाचार की उपस्थिति के बारे में विचार करने है ।	3
35.	''मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना ।'' **उत्तर :** पद्य : सारे जहाँ से अच्छा कवि : डॉ० इकबाल संदर्भ व व्याख्या : विविधता में एकता और धार्मिक सहिष्णुता का वर्णन कवि करते हैं । कवि यहाँ अपने भारत देश का बखान करते हुए कहत हैं कि यहाँ के लोग बहुधर्मीय होने पर भी, बड़े स्नेह के साथ रहते हैं । यहाँ का कोई भी मज़हब हमें शत्रुता की सीख नहीं देती है ।	3
IX.	**चार-पाँच वाक्यों में उत्तर ।**	3 × 3 = 9
36.	गाँधीजी ने चम्पारन समस्या का निवारण कैसे किया ? **उत्तर :** गाँधीजी ने चम्पारन समस्या का निवारण इस प्रकार किया - वर्ष भर देश का दौरा कर आपने साबरमती नदी के किनारे सत्याग्रह आश्रम की नींव रखी । किन्तु दुखी किसानों की पुकार ने आपको बेचैन किया । सबसे पहले बिहार के चम्पारन जिले के खेतिहर मजदूर जो अग्रेजों के नील बागानों में काम करते थे उनकी शिकायत थी कि अंग्रेज जमीनदार उन पर बड़ा अत्याचार करते हैं । आपने स्वयं चम्पारन जाकर जाँच की और किसानों की शिकायतें सरकार के सामने रखीं । पहले तो सरकार ने ध्यान नहीं दिया, किन्तु तीव्र सत्याग्रह के बाद अन्त में सरकार को गाँधीजी के सुझाव मानने पड़े ।	3

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
37.	'जय कर्नाटक' मासिक पत्रिका के बारे में लिखिए । **उत्तर :** 1922 के नवम्बर में वेंकटराव के संपादकत्व में "जय कर्नाटक" मासिक पत्रिका प्रकाशित हुई । यह केवल एक पत्रिका नहीं बल्कि एक विचारधारा, एक कल्पना थी । कर्नाटक के सर्वांगीण विकास, नव कर्नाटक निर्माण उसका मूल ध्येय था । कन्नड भाषियों का नया राज्य निर्माण, खण्डित कर्नाटक को नया एक अखण्ड रूप देना, भावात्मक एकता और जनता में राष्ट्रीयता जागृत कराना इस पत्रिका का मूल उद्देश्य था ।	3
38.	"मानव लेना जानता है, देना उसकी प्रकृति नहीं" — कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । **उत्तर :** कवि सवेरे उठकर प्रकृति के मोहक दृश्य देखकर आनंद विभोर हो उठा । धूप से उसने गरमी मांगी, चिड़िया से मिठास, हरियाली से ताजगी, हवा से खुलापन, आकाश से असीमता, शंखपुष्पी से उजास, लहरों से उल्लास आदि । इन सबने उसकी मांग पूरी की, उसने खुशी-खुशी ले लिए, लेकिन जब उसकी बारी कुछ देने की आई तो वह कतराता है । कवि कहते हैं कि मानव लेना जानता है, देना उसकी प्रकृति नहीं ।	3
X.	**पद्यांश की पूर्ति ।**	1 × 4 = 4
39.	जग में सुख .... को गले लगाना । **अथवा** पैदा कर जिस .... स्वजीवन सारा ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है ।	1
	वही जगाता है सद्गुण को सद्गुण लाता सुख है ।	1
	बाधा, विघ्न, विपत्ति, कठिनता जहाँ-जहाँ सुन पाना ।	1
	सबके बीच निडर हो जाना दुख को गले लगाना ।	1
	अथवा	
	पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला-पोसा ।	
	किये हुए है वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा ।	
	उससे होना उऋण प्रथम है सत्कर्तव्य तुम्हारा ।	
	फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा ।	
XI.	**पद्यांश का भावार्थ :**	4
40.	भूख लगी तो गाँव में भिक्षान्न है, प्यास लगी तो तालाब-कुएँ हैं, शीत से बचने जीर्ण वस्त्र हैं, सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं, हे चन्नमल्लिकार्जुन प्रभु, मेरा आत्म-सखा तू ही है ।	
	अथवा	
	मुरझाये फूल में सुगंधि कौन ढूँढ़ेगा ? बच्चे में कौन खोट देखेगा ? हे देव ! विश्वास को ठेस लगने पर फिर से सद्गुण कौन परखेगा ? हे प्रभु, जले पर कौन नमक छिड़केगा सुनो, हे चन्नमल्लिकार्जुन नदी पार करने के बाद मल्लाह को कौन पूछेगा ?	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : अक्कमहादेवी इस वचन में स्वयं को धन्य मानती हुई कहती हैं कि - प्रभु, आपके सामने कोई भी गरीब नहीं है । इसकी पुष्टि में वे कहती हैं यदि भूख लगी तो गाँव में अन्न देनेवाले हैं । प्यास लगती है तो पानी की कमी नहीं है क्योंकि इधर-उधर तालाब, कुएँ हैं । तुम्हारी कृपा से ठंड से बचने के लिए फटे वस्त्र मिले हैं । सोने के लिए उजड़े मंदिर हैं । हे प्रभु ! तुम्हारा संग ही मेरे जीवन का सौभाग्य है । आपके बिना मेरा कोई अस्तित्व ही नहीं है । तू ही मेरा प्रिय आत्म-सखा है । **अथवा** अक्कमहादेवी के वचनों में नीति एवं वास्तविकता का संगम मिलता है । वे अपने वचनों के द्वारा निरर्थक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहतीं हैं - मनुष्य मुरझाए फूल में कभी भी सुगंध को ढूँढ़ने का प्रयास नहीं करेगा । बच्चे में सच्चाई है या बुराई है, देखने का प्रयास कोई नहीं करेगा । अक्कमहादेवी कहती हैं विश्वास में धक्का लगने के बाद फिर से सद्गुण दिखाई देने पर कोई विश्वास नहीं करेगा । कोई पहले ही दुखी है और भी उसे दुखी करने का कौन प्रयास करेगा ? हे मेरे भगवान, सुनो जब इस संसार रूपी नदी पार करने पर उस मल्लाह रूपी भगवान को कौन याद करेगा अर्थात् सभी पथ-प्रदर्शक को भूल जायेंगे । यही आज की स्थिति है ।	4
XII.	**आठ-दस वाक्यों में उत्तर ।**	$2 \times 4 = 8$
41.	सेठ गोविन्ददास की राय में 'सच्चा धर्म' क्या है ? स्पष्ट कीजिए । **अथवा** पुरुषोत्तम के व्यक्तित्व का परिचय दीजिए ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : सच्चा धर्म पाठ में सेठ गोविन्ददास जी ने धर्म की समस्या को उठाया है । सामान्य रूप से हम लोग धर्म का जो अर्थ समझते हैं, वह सेठ जी की दृष्टि से सही नहीं है । धर्म का खान-पान या छुआछूत से विशेष संबंध नहीं है । सेठ जी ने दिखाया है कि सच्चा धर्म वही है जिसमें समाज के अधिक से अधिक व्यक्तियों का भला हो । धर्म किन्हीं निश्चित नियमों में बंधकर नहीं रह सकता । समय के साथ-साथ धर्म का स्वरूप भी बदलता जाता है । कभी-कभी असत्य से भी धर्म की रक्षा होती है - मनुष्यत्व सभी धर्मों से बड़ा है । लेखक की दृष्टि में सच्चा धर्म वही है जो समाज में मनुष्यत्व की स्थापना करता हो । सच्चा धर्म वहो है जो आपसी प्रेम को बढ़ावा देता हो और किसी को हानि नहीं पहुँचाता हो । **अथवा** पुरुषोत्तम दिल्ली निवासी एक महाराष्ट्रीय ब्राह्मण है । साठ वर्ष की उम्रवाले साधारण शरीर का मनुष्य है । मुख पर बड़ी मूँछें, सिर पर श्वेत चंदन का त्रिपुण्ड लगा हुआ है । वक्षस्थल पर यज्ञोपवित है । इनके प्रकार धर्म किसी निश्चित नियमों का पालन नहीं पर सकता, समय के साथ धर्म का स्वरूप बदलता है । स्वामीनिष्ठा और धर्मनिष्ठा का पालन करते हुए भी पुरुषोत्तम ने मानवता को श्रेष्ठ स्थान दिया । अपनी रक्षा में आये हुए संभाजी को छोड़ नहीं सकते और जीवन भर जो धर्म का पालन किया है वो भी छोड़ नहीं सकते, तो ब्राह्मण होकर अब्राह्मण के साथ एक थाली में कैसे खाये ? इसी दुविधा में थे । अंत में संभाजी को भानजा कहकर पुरुषोत्तम ने धर्म का सच्चा पालन किया और समाज में मनुष्यत्व की स्थापना कर दिखाया कि मनुष्यत्व ही सर्वोत्तम धर्म है ।	4
42.	''शीला अग्रवाल जैसी प्राध्यापिका किसी भी विद्यार्थी के जीवन को सँवार सकती है ।'' कैसे ? समर्थन कीजिए । **अथवा** मन्नु जी ने राष्ट्रीय आंदोलन में अपनी भूमिका कैसे निभाई ? स्पष्ट कीजिए ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर : लेखिका के लिए शीला अग्रवाल जी केवल विषयगत ज्ञान देनेवाली शिक्षिका नहीं थीं । बल्कि एक सच्ची मार्गदर्शक थीं । उनकी प्रेरणा ने लेखिका के अंदर एक अद्‌भुत आत्मविश्वास भर दिया था । उन्होंने लेखिका को जीवन में सही निर्णय लेकर बाधाओं का सामना करते हुए आगे बढ़ना सिखाया । उनके पद्‌चिह्नों पर चलते हुए वे सामाजिक आंदोलनों एवं गतिविधियों में भाग लेकर उन दकियानूसी घरेल् बंदिशों का तोड़ने में कामयाब रहीं, जिन्हें तोड़ना उन दिनों न केवल उनके लिए बल्कि हर लड़की के लिए बेहद मुश्किल काम था । अतः कहा जा सकता है कि शीला अग्रवाल जैसी प्राध्यापिका विद्यार्थी जीवन को संवार सकती हैं ।	4
	अथवा	
	सन् 1946-1947 ई० में समूचे देश में भारत छोड़ो आंदोलन पूरे उफान पर था । हर तरफ हड़तालें, प्रभात-फेरियाँ, जुलूस और नारेबाज़ी हो रही थीं । घर में पिता और उनके साथियों के साथ होनेवाली गोष्ठियाँ, गतिविधियों ने लेखिका को भी जागरूक कर दिया था । प्राध्यापिका शीला अग्रवाल ने लेखिका को स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से जोड़ दिया । जब देश में नियम-कानून और मर्यादाएँ टूटने लगीं तब पिता की नाराजगी के बाद भी पूरे उत्साह के साथ आंदोलन में कूद पड़ी । उनका उत्साह, संगठन क्षमता और विरोध करने का तरीका देखते ही बनता था । वे चौराहों पर बेझिझक भाषण, नारेबाज़ी और हड़तालें करने लगीं । इस प्रकार हम कह सकते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी (मन्नुजी) की सक्रिय भूमिका थी । इस प्रकार भण्डारी जी ने राष्ट्रीय आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई ।	
XIII.	**अपठित गद्यांश के उत्तर ।**	2 × 2 = 4
43.	महानगरों में विभिन्न धर्म, विभिन्न भाषा-भाषी एवं विभिन्न क्षेत्रों के लोग निवास करते हैं । यहाँ पर अनेक प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध होती हैं । स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सेवा, परिवहन की उपलब्धता, मनोरंजन के साधनों की सुविधा, जीवनोपयोगी वस्तुओं की उपलब्धता आदि के कारण महानगरीय जीवन स्तर ऊँचा माना जाता है । मगर आज बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण महानगरा में प्रदूषण बढ़ रहा है और इस कारण लोगों में अनेक प्रकार के रोग फैल रहे हैं । इसके अलावा सांप्रदायिकता एवं भ्रष्टाचार के कारण भी महानगरों की स्थिति चिंताजनक बनी है । a) महानगरीय जीवन स्तर को क्यों ऊँचा माना जाता है ? b) आज महानगरों की स्थिति चिंताजनक क्यों है ?	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	उत्तर :	
	a) महानगरों में विभिन्न धर्म, विभिन्न भाषा-भाषी एवं विभिन्न क्षेत्रों के लोग निवास करते हैं, यहाँ पर अनेक प्रकार की सेवाएँ उपलब्ध होती हैं । स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सेवा, परिवहन की उपलब्धता, मनोरंजन के साधनों की सुविधा, जीवनोपयोगी वस्तुओं की उपलब्धता आदि के कारण महानगरीय जीवन स्तर ऊँचा माना जाता है ।	2
	b) आज बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण महानगरों में प्रदूषण बढ़ रहा है और इस कारण लोगों में अनेक प्रकार के रोग फैल रहे हैं । इसके अलावा सांप्रदायिकता एवं भ्रष्टाचार के कारण भी महानगरों की स्थिति चिंताजनक बनी है ।	2
XIV.	**पत्र लेखन ।**	1 × 5 = 5
44.	कोई कारण बताते हुए चार दिनों की छुट्टी माँगते हुए प्रधानाध्यापक के नाम एक पत्र लिखिए ।	
	अथवा	
	शैक्षणिक प्रवास के लिए 3,000 रुपये माँगत हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए ।	
	उत्तर :	
	व्यावहारिक पत्र :	
	i) स्थान एवं तिथि : $\frac{1}{2}$	
	ii) प्रेषक/सेवा में : $\frac{1}{2}$	
	iii) सम्बोधन – विषय : 1	
	iv) पत्र का कलेवर : $2\frac{1}{2}$	
	v) समाप्ति : $\frac{1}{2}$	5
	अथवा	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर		अंक
	पारिवारिक पत्र :		
	i) स्थान एवं तिथि :	$\frac{1}{2}$	
	ii) सम्बोधन-अभिवादन :	1	
	iii) पत्र का कलेवर :	$2\frac{1}{2}$	
	iv) समाप्ति :	$\frac{1}{2}$	5
	v) पत्र पानेवाले का पता :	$\frac{1}{2}$	
XIV.	**निबंध लेखन ।**		1 × 5 = 5
45.	किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए :		
	i) स्वतंत्रता दिवस		
	ii) समाचार पत्र ।		
	उत्तर :		
	(i) भूमिका	1	
	(ii) विषय विश्लेषण	2	
	(iii) उपसंहार	1	
	(iv) भाषा और शैली ।	1	